

## मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हतिग्राहियों के खाते में 57वीं कसित का ऑनलाईन अंतरण किया

### चर्चा में क्यों?

8 दिसंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने नविस कार्यालय में आयोजित वरचुअल कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के हतिग्राहियों को योजना की 57वीं कसित के रूप में 7 करोड़ 83 लाख रुपए का ऑनलाईन भुगतान किया।

### प्रमुख बटु

- इसके अंतर्गत 16 नवंबर से 30 नवंबर तक गौठानों में गोबर वकिरेता पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से कर्य कयि गए गोबर के एवज में उनके खाते में 4.62 करोड़ रुपए की राशि ऑन लाईन अंतरति की गई। इसी प्रकार गौठान समतियों को 1.28 करोड़ रुपए तथा महिला समूहों के खाते में 1.93 करोड़ रुपए की लाभांश राशि अंतरति की गई।
- गोबर वकिरेताओं को भुगतान की गई 4.62 करोड़ रुपए की राशि में से 4270 स्वावलंबी गौठानों द्वारा 2.88 करोड़ रुपए का भुगतान कयि गया तथा कृषि विभाग द्वारा 1.74 करोड़ रुपए का भुगतान कयि गया है।
- पछिले पखवाड़े में गोबर खरीदी के लयि प्रदेश के स्वावलंबी गौठानों ने कृषि विभाग की तुलना में अधिक राशि का भुगतान कयि है। स्वावलंबी गौठानों द्वारा अब तक अपने संसाधनों से 29.61 करोड़ रुपए की राशि से गोबर की खरीदी की गई है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गौठानों द्वारा खुद की जमा पूंजी से गोबर खरीदना गोधन न्याय योजना की बड़ी सफलता है। प्रदेश के ग्रामीण कषेत्रों के आधे से अधिक गौठान स्वयं के संसाधनों से गोबर की खरीदी कर रहे हैं। राज्य शासन को इन गौठानों को गोबर खरीदने के लयि राशि देने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' में प्रदेश के युवाओं और महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। गौठानों में वकिसति कयि जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की गतिविधियों में युवाओं और महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। इससे युवाओं और महिलाओं को रोजगार और आमदनी का अच्छा जरयिा मल्लिगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में किसान स्वयं पैरादान कर रहे हैं। पैरादान के लयि किसानों को और अधिक प्रोत्साहति कयि जाना चाहयि। जब गौठानों में पशुओं के लयि चारा और पानी की व्यवस्था होगी, तो पशु खेत और सड़कों के बजाय गौठानों में रहेंगे। उन्होंने प्रदेश के अधिक से अधिक गौठानों में पैरा के बंडल बनाने के लयि बेलर मशीन उपलब्ध कराने का प्रयास करने के नरिदेश अधिकारियों को दयि।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में ऐसे उत्पाद प्राथमकता के आधार पर तैयार कयि जाएँ, जनिकी शासन को जरूरत है या जनिकी मार्केट में अच्छी मांग है। उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादों को तैयार करने के लयि युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षण दयिा जाए।
- कृषि मंत्री रवदिर चौबे ने बताया कि प्रदेश में 11 हजार 252 गौठानों को स्वीकृति दी गई है, जनिमें से 9 हजार 619 गौठान नरिमति कयि गए हैं, इनमें से ग्रामीण कषेत्रों में 8440 गौठान नरिमति कयि गए हैं। इन गौठानों में से 4270 गौठान स्वावलंबी हो गए हैं।
- गोबर खरीदी, वर्मी कंपोस्ट के उत्पादन और वतिरण का काम वभिनिन वभिगों के समन्वय से कयि जा रहा है। आने वाले समय में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन छत्तीसगढ़ में एक बड़ा अभयान बनेगा। उन्होंने कहा कि रीपा की गतिविधियों से युवाओं को जोड़कर और अधिक बढ़ाया जाएगा।
- गोधन न्याय मशिन के प्रबंध संचालक डॉ. अय्याज़ तंबोली ने बताया कि गोबर खरीदी के एवज में गोधन न्याय योजना शुरू होने के बाद से अब तक 188.45 करोड़ रुपए तथा गौठान समतियों और महिला स्व-सहायता समूहों को लाभांश की राशि के रूप में 170.05 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कयिा जा चुका है।
- उन्होंने बताया कि अब तक गौठानों में 19.82 लाख क्वटिल वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन कयिा गया है। इसमें से 16.24 लाख क्वटिल वर्मी कंपोस्ट का वकिरय कयिा जा चुका है। गौठानों में अब तक पैरादान से 2.25 लाख क्वटिल पैरा मल्लिा है।